

न्यूनतम 11.7°C अधिकतम 26.6°C

# मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

राहुल गांधी मानसिक रूप से बीमार है, देश में कोई भी राहुलवादी नहीं है : हिमंत बिस्वा सरमा



**अमृतवाणी**  
जिंदगी अपनी है, इसे किसी के खौफ से नहीं, अपने शौक से जियो।

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606 संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

सूर्योदय - 6:56, सूर्यास्त - 6:10 वर्ष : 54/ अंक : 48 बुधवार, 18 फरवरी 2026 फाल्गुन, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा | सम्वत् 2082 | मूल्य : 3 रुपये कुल पृष्ठ : 4 बीगानी की बात आप जानो... लेकिन राहुलवादीयों की कमी नहीं है...

# डायन बनी प्रेम में अंधी फुफ़ी, चार वर्षीया भतीजी को ही टैंक में डुबोकर मार डाला

► भाभी को चाकुओं से गोदा, तीन अन्य बच्चों पर भी किये चाकू से हमले ► 16 नींद की गोलियां खाने एवं चाय में मिलाकर दी ► अपहरण की सूचना पर पुलिस कप्तान सहित आधी रात के बाद दौड़ी भारी पुलिस फोर्स, पुलिस ने 4 घंटे में ही कर दिया घटना का खुलासा ► शाहपुर के चर्चित गांव बसी कला में हुई घटना चर्चा बनी



**शाहपुर, 17 फरवरी (बु.)**। क्षेत्र के गांव बसी कला में रांटे खड़े करने वाली ऐसी ही वारदात हुई है। खुन्सी नन्द मान ने प्रेमी से बात करने में बाधक बन रही भाभी पर न केवल जानलेवा कर हमलाकर लहलुहान कर घायल कर दिया, बल्कि चार साल की भतीजी इशरा को जिंदा पानी के टैंक में डालकर मार डाला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्चों का शव बरामद करने के साथ कालित बुआ को गिरफ्तार कर लिया। घटना की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने भारी पुलिस बल के साथ गांव पहुंचकर घटना की जानकारी ली। यह पूरी घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। गांव बसी कला निवासी समीर ने सोमवार देर रात दो बजे पुलिस को सूचना दी गई कि पड़ोसी इमरान की पत्नी फिरदौस को घायल कर घायल कर चार वर्षीय बेटी का अपहरण कर लिया गया है। सूचना पर एएसपी संजय कुमार वर्मा, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आदित्य चंसल, क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेंद्रप्रसाद सिंह, थानाध्यक्ष शाहपुर गजेंद्र सिंह ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर घटना का बारीकी से निरीक्षण किया। घायल फिरदौस को अस्पताल पहुंचाने के साथ पुलिस ने गहनता से जांच-पड़ताल की। पुलिस को तलाशी के दौरान घर के आंगन में रखे पानी के टैंक में बच्चों की लाश तैरती हुई दिखाई दी। डॉग स्कैंड और फॉरेंसिक टीम की मदद से सक्षयों का संकलन कर पृच्छाछ की, तो पूरा घटनाक्रम उजागर हो गया।

## देख तैरे संसार की हालत क्या हो गयी भगवान... मंदिरों पर भी कब्जे की नीयत रखने लगे प्रधान?



**मुज़फ़्फ़रनगर, 17 फरवरी (बु.)**। नीयत खराब हो तो लोग मंदिर को भी नहीं छोड़ते। शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव हरसोली में एक ऐसा ही मामला सामने आया जो लम्बे समय से विवादों में तो चल ही रहा है मगर अब भगवान को भी नहीं छोड़ा जा रहा। हरसोली में जनता इण्टर कॉलेज के निकट बड़ा ही खूबसूरत शिवमंदिर है। शिवमंदिर के पुजारी को लगातार विभिन्न प्रकार की प्रताड़नाओं से जूझना पड़ रहा है। मंगलवार को मंदिर की मूर्तियां खंडित कर दी गईं, जिनमें भगवान कार्तिक एवं भगवान शिव की मूर्तियों के हाथ टूट गये। क्षेत्र के लोगों ने खुलकर ग्राम प्रधान तेजवीर का नाम लेते हुए बताया कि प्रधान महाराज पुष्करनाथ को भगवत कब्जा करना चाहता है, जिसमें ग्राम प्रधान के हाथ व भतीजे भी शामिल हैं।

## एसएसपी को पिकेट पर गायब मिले पुलिसकर्मी

► एसएसपी बोले- ये आखिरी चेतावनी अगली की गलती पर होंगे सस्पेंड ► देर रात औचक निरीक्षण में खुली सुरक्षा की पोल, वायरलेस पर डांटा

**मुज़फ़्फ़रनगर, 17 फरवरी (बु.)**। जनपद की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एएसपी संजय कुमार वर्मा के सख्त तैवरों ने मंगलवार तड़के पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया। सुबह करीब 4 बजे जब कप्तान स्वयं सड़कों पर उतरते, तो शहर के मुख्य चौराहों से पुलिसकर्मी गायब मिले। इस बड़ी लापरवाही को नाराजगी जताते हुए एसएसपी ने वायरलेस सेट पर ही लापरवाह कर्मियों को सस्पेंड करने की चेतावनी दी और संबन्धित थाना प्रभारियों को लालच कर कड़ी फटकार लगाई। मंगलवार तड़के शाहपुर क्षेत्र के बसी कला गांव में एक बच्ची की हत्या की सूचना मिली थी। इस मामले में कार्रवाई के लिए एसएसपी संजय कुमार वर्मा अपने कार्रवाई के साथ आवास से निकले थे। रास्ते में उन्होंने शहर की सुरक्षा परखने के लिए प्रकाश चौक, शिवचौक, मीनाथी चौक, रेलवे रोड और शामली बस स्टैंड जैसे अति-संवेदनशील और मुख्य चौराहों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चौकाने वाली स्थिति सामने आई। इन प्रमुख स्थलों पर न तो पिकेट पर तैनात पुलिसकर्मी मिले और न ही गश्त के लिए निर्धारित क्यूआरटी, पीआरवी या चीता मोबाइल की टोर्चें दिखाई दीं। शहर की सुरक्षा पूरी तरह राम भरोसे नजर आई। मुख्य चौराहों को खाली देख एएसएसपी का पारा चढ़ गया। उन्होंने लालच वायरलेस सेट संभाला और इट्यूटी से नदारद पुलिसकर्मियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, "इतने संवेदनशील जिले में इस तरह की लापरवाही किसी भी बड़ी वारदात को खुला निमंत्रण है। सुरक्षा व्यवस्था में ऐसी चूक किसी भी सुरत में बदोतर नहीं की जाएगी।"

## अंतरिम जमानत के बाद जेल से बाहर आए राजपाल यादव

**नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसी)**। बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव को चेक बाउंस मामले में हाई कोर्ट से अंतिम जमानत मिलने के बाद रिहा जेल से रिहा कर दिया गया। मंगलवार को रिहाई की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद वह जेल से बाहर आए और कहा कि वह सभी आरोपों पर जवाब देंगे। उन्होंने कोर्ट का भयवश भी किया। बॉलीवुड से बाहर आने के बाद राजपाल यादव ने कहा कि वह साल 2027 में बॉलीवुड में वापस आने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने देशभर के लोगों से मिले समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि यदि उन पर कोई आरोप है तो वह उसका जवाब देने के लिए तैयार हैं। बता दें कि चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव ने 5 फरवरी को दिल्ली की तिहाड़ जेल में सेंड किया था। साल 2010 में राजपाल यादव ने फिल्म अता पता लापता बनाने के लिए प्राइवेट कंपनी मुस्ली प्रोडिक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से 5 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। ये फिल्म प्लॉट ही और राजपाल यादव को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा। राजपाल समर्थन रहते कर्ज की रकम नहीं लौटा सके। लोन लेते समय राजपाल ने जो चेक कंपनी को दिए थे वो बाउंस हो गए, जिसके बाद एक्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई गई।

## छठी बार मां बनी सीमा हैदर, बेटे को दिया जन्म

**नोएडा, 17 फरवरी (एजेंसी)**। ग्रेटर नोएडा के खुरपुर कस्बे में रह रही पाकिस्तान से आई महिला सीमा हैदर ने मंगलवार को अपने छठे बच्चे के रूप में एक बेटे को जन्म दिया। मंगलवार को सीमा ने छठवें बच्चे को जन्म दिया है। सीमा की अपने पाकिस्तान में पहले पति से चार बच्चे हैं। वहीं, सचिन से मिलने के बाद भारत में दूसरी संज्ञात पैदा हुई है। सचिन मीणा के परिवार में बेटे के जन्म की ख़ुशी में मिठाइयां बांटी और शुभकामनाएं दीं। घर पर बच्चा देने वाली का तांता लगा रहा। बताया गया रहा है कि पिछले वर्ष सीमा ने एक बेटे को जन्म दिया था, जो अब करीब 11 माह की हो चुकी है। अब परिवार में बेटे के जन्म से उल्लास और बड़ गया है। सीमा हैदर वर्ष 2023 से सचिन मीणा के साथ खुरपुर में रह रही हैं। दोनों की कहानी पहले भी काफी चर्चा में रही है। सोशल मीडिया पर भी यह दंपती काफी संक्रिय रहती हैं। इनके यूट्यूब चैनल पर दो मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर बताए जाते हैं, जहां वे अपने पारिवारिक जीवन से जुड़े वीडियो साझा करते रहते हैं।

# नहीं दिखा चांद, पहला रोजा अब गुरूवार को

सऊदी अरब में दिखा चांद, शहर में रमजान के लिए गुलजार हुए बाजार

**मुज़फ़्फ़रनगर, 17 फरवरी (बु.)**। देश में आज चांद नहीं दिखा। इसके चलते रमजान की शुरुआत अब गुरूवार से होगी। सऊदी अरब में आज चांद नजर आया तो वहां बुधवार को पहला रोजा होगा। रमजान की दरख्त के साथ ही मुस्लिम मोहल्लों में रौनक नजर आने लगी है और रोजे से संबंधित सामान की खरीदारी शुरू हो गई है। मस्जिदों में सज्जद और रंगई पुताई के साथ तराबियों की तैयारी भी हो रही है। रमजान और बरकतों का महाना रमजान गुरूवार को शुरू होगा। आज लोग चांद दिखने की उम्मीद में थे, लेकिन चांद नहीं आया। हालांकि सऊदी अरब में आज चांद दिखा और वहां कल से रमजान की शुरुआत होगी। भारत समेत मुज़फ़्फ़रनगर में गुरूवार को पहला रोजा होगा। इमाम संगठन के प्रदेश सदर मुफ्ती जुल्फिकार ने बताया कि रमजान बरकतों का महाना है। इसके चलते हर मुस्लिम नजर रोजा फर्ज़ है। ऐसे में पूरे माह तराबियों के साथ रोजे भी खड़े जाएंगे। इसके लिए मुस्लिमों में उत्साह है। रमजान के लिए शहर की तमाम मस्जिदों में साफ सफाई व रंगई पुताई का काम पूरा कर लिया गया। शहर में खालापार को मस्जिद फकरशाह, हौजवाली मस्जिद खालापार, मस्जिद उमर खां, इमली वाली

तौन अशरों में होता है रमजान माह  
**मुज़फ़्फ़रनगर, 17 फरवरी (बु.)**। रमजान के पवित्र महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग अल्लाह की इबादत में मशगूल रहकर रहमत, मार्गदर्शक तथा महानुभाव की आशा से निजात की दुआएं मांगते हैं। रमजान का महाना तीन अशरों में बंटा होता है, जिनमें से प्रत्येक का अपना महत्व है। ये अशरें रहमत (अल्लाह की इबादत), मार्गदर्शक (गुनाहों को माफ़ी) और निजात (जहन्नम से छुटकारा) के दौर कहलाते हैं। इसके अलावा पवित्रता में इबादत करने वाले पूरे महीने दुनिया की नगरों से अलग रहकर पूरा वक़ा इबादत में गुज़ाते हैं। रमजान माह के शुरूआती दस दिन रहमत के होते हैं। इस दौरान बंदे ज़्यादा इबादत, कुरआन की तिलावत और दुआओं में मशगूल रहते हैं। माना जाता है कि इन दिनों में अल्लाह की रहमत बंदों पर खूब बरसती है, जिससे दिलों में सुकून और नूर पैदा होता है। रमजान के बीच के दस दिन मार्गदर्शक के लिए समर्पित हैं। इस अशर में मुस्लिम समुदाय से दिल से तौबा-इस्तिगफ़ार करते हैं और नैकीयों के जरिए अपने गुनाहों को माफ़ी मांगते हैं।





